



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

शाधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 20] नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 20, 1987/पौष 30, 1908

No. 20] NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 20, 1987/PAUSA 30, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके ।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1987

अधिसूचना

का. मा. 21(अ):—आंध्र प्रदेश प्रशासनिक न्यायाधिकरण अधिनियम, 1975 के अनुच्छेद 3 [सा. का. नि.-285 (ई) दिनांक 19 मई, 1975] द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति हलाहवाध उच्च न्यायालय के सेवा निवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री ए. एस. श्रीवास्तव को श्री पी. एस. राघवा-
चारी द्वारा रखा पत्र दिए जाने के कारण हुई रिक्ति पर अपना कार्यभार ग्रहण

करने की तिथि से आंध्र प्रदेश प्रशासनिक न्यायाधिकरण का सदस्य नियुक्त करते हैं ।

[एस-21013/4/85—एस. आर.]

सुजाता चौहान, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF AFFAIRS

New Delhi, the 20th January, 1987

NOTIFICATION

S.O. 21(E).—In exercise of the powers conferred by paragraph 3 of the Andhra Pradesh Administrative Tribunal Order, 1975 [GSR 285(E) dated the 19th May, 1975], the President is pleased to appoint Shri Justice A. S. Srivastava, retired Judge of the Allahabad High Court as Member of the Andhra Pradesh Administrative Tribunal with effect from the date he takes over charge of office, in the vacancy caused by the resignation of Shri P. S. Raghavachari.

[S-21013/4/85-SR]

S. CHAUHAN, Jt. Secy.